रेल रिजर्वेशन द्वारा रामेश्वरम् धाम, त्रिवेन्द्रम, मल्लिकार्जुन, पॉन्डिचेरी

यात्रा प्रारम्भः 03 फ़रवरी 2025

यात्रा समयः 14 दिन

दिन	स्थान	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	दिल्ली	दिल्ली से थ्री टियर क्लास (3A/C) से चेन्नई हेतु प्रस्थान।
तीसरा दिन	कांचीपुरम	शिवाकांची, विष्णुकांची दर्शन (सप्तपुरी)। बस द्वारा
तीसरा दिन	पॉन्डिचेरी	पॉन्डिचेरी बीच, श्री अरबिंदो आश्रम (रात्रि विश्राम पॉन्डिचेरी) (चौथा दिन रास्ते में व रात्रि विश्राम रामेश्वरम् में)।
पांचवां दिन	रामेश्वरम् धाम	समुद्र स्नान, राम-सीता कुण्ड, राम झरोखा मन्दिर दर्शन, 22 कुण्ड स्नान, रामेश्वरम् ज्योर्तिलिंग। (रात्रि विश्राम रामेश्वरम् में)
छठा दिन	कन्याकुमारी	कन्याकुमारी मन्दिर दर्शन, सूर्य उदय अथवा सूर्य अस्त के दर्शन, हिन्द बंगाल, अरब तीनों समुद्रों का संगम स्नान, विवेकानन्द स्मारक। (रात्रि विश्राम कन्याकुमारी में)।
सातवां दिन	त्रिवेन्द्रम	कोवलम बीच, म्यूज्यिम, तिरूवनन्तपुरम चिड़ियाघर, पद्मनाभम् मन्दिर। (रात्रि विश्राम कन्याकुमारी में)।
आठवां दिन	मदुरई	मीनाक्षी देवी मन्दिर, सुन्दरेश्वर महादेव दर्शन। (रात्रि विश्राम त्रिची)
नवां दिन	तिरुचिरापल्ली	श्री रंगनाथ मन्दिर, जम्बूकेश्वर। (रात्रि विश्राम त्रिची)।
दसवां दिन	वेल्लूर	श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर (स्वर्ण मन्दिर)।(रात्रि विश्राम तिरुपति)
ग्यारहवां दिन	तिरुपति बालाजी	तिरुपति बाला जी (तिरुमला मन्दिर पहाड़ी पर स्थित है।) बस द्वारा। ग्यारहवां दिन रात्रि में नॉन AC बस द्वारा मल्लिकार्जुन के लिए प्रस्थानं
बारहवां दिन	मल्लिकार्जुन	मल्लिकार्जुन ज्योर्तिलिंग दर्शन। रात्रि में हेदराबाद से (3A/C) रेल रिजर्वेशन द्वारा दिल्ली वापसी।
चौदहवां दिन	दिल्ली	प्रातः ह0 निजामुद्दीन पर मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समापन।

यात्रा किराया :- भोजन, चाय, नाश्ता, A/C पुशबेक डीलक्स बस, A/C डबल बैड होटल रूम, 3A/C रेल रिजर्वेशन का किराया ₹35,001/- प्रति सवारी होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹5,000/- प्रति यात्री नगद अथवा ऑनलाइन 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I बैंक खाते में या हमारी किसी भी अधिकृत बुकिंग एजेन्सी पर जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा प्रारंभ के समय गाड़ी में बैठने पर ले ली जायेगी। कृपया बस यात्रा के नियम पेज न0 17 को ध्यान पूर्वक पढ़कर ही सीट बुक कराये।

बस व रेल द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. यात्रियों के लिए यात्राकाल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। दाल-चावल, रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफान्इड तेल का प्रयोग होगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। <u>दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक मिनरल वाटर की बोतल यात्रियों को दी जायेगी।</u>

2. हमारी यात्रा में केवल सामान्य चिकित्सा की ही व्यवस्था होगी। जो यात्री नियमित रूप से दवाई लेते हैं वे यात्री यात्रा प्रोग्राम के दिनो के अनुसार कृपया अपनी दवाईयां साथ में लावे। यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मन्दिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री स्वयं के खर्च से पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा। संक्रमक रोगी, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले अथवा झगडालू यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार व्यवस्थापक का होगा।

3. यात्री अपने साथ असली फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड और वोटर आई. डी.) व 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे। <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

<u>यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।</u>

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं यात्री के सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में रेल लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर संस्था/ व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थितियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व व्यवस्थापक को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।